an>

Title: Need to creat awareness about cancer through school text books.

श्रीमती रीती पाठक (रीधी) ः कैंसर अब भारत में मौत की दूसरी सबसे बड़ी वजह बन चुका है। दिल की बीमारियों से होने वाली मौत के बाद कैंसर का ही नंबर आता है। खतरनाक बात यह है कि कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके कारण के बारे में चिकित्सा जगत में अब भी सुनिश्चित ज्ञान का अभाव होने के कारण मुंह और गर्भाशय के कैंसर के अलावा किसी भी कैंसर को रोकने का कोई पक्का तरीका सामने नहीं आया है। प्रदूषण जैसे कारकों को अगर कैंसर के लिए जिम्मेदार मान भी ले तो इसे कम करना आधुनिक जीवन शैली का प्रश्न है और इसका कोई आसान रास्ता नहीं है।

कुल मिलाकर वैज्ञानिक अनुसंधान का लगभग चरमोत्कर्ष माने जाने वाले मौजूदा दौर में भी करोड़ों लोगों के पास कैंसर के साथ जीने और मर जाने के अलावा कोई चारा नहीं है। लोक सभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सरकार ने जानकारी दी कि भारत में हर साल कैंसर से लगभग साढ़े ग्यारह लाख मामले सामने आते हैं, वहीं कैंसर से हर साल मरने वालों की संख्या पांच लाख से ज्यादा है। दोनों की ही संख्यायें लगातार बढ़ रही हैं। पुरूषों में ज्यादातर कैंसर के मामले में फेफड़ा, मुंह और पेट के होते हैं जबकि महिलाओं में सबसे ज्यादा कैंसर स्तन, बच्चेदानी व पेट के होते हैं।
Â

महामारी की शक्ल ले चुकी इस बीमारी को अगर समय रहते न रोका गया तो भारत के हेल्थकेयर सेक्टर का सारा बजट खर्च करके भी कैंसर की त्रासदी से निपटना संभव नहीं हो पाएगा अर्थात् इसे देखते हुए कुछ नए तरीके अपनाने की जरूरत है जिससे देश की आबादी कैंसर के खतरों को जान सके, उससे बचने की कोशिश करे और समय रहते कैंसर की पहचान करके उपयुक्त अस्पताल तक पहुंच सके तो ही शायद हम कैंसर को काबू में कर पाएंगे।

मेरा सुझाव है कि स्कूल शिक्षा के सिलेबस में कैंसर जागरूकता को एक अनिवार्य पाठ के रूप में शामिल किया जाए व इस पाठ्यक्रम में कैंसर क्या है, कैंसर की रोकथाम कैसे होती है, कैंसर को कैसे पहचाने और कैंसर के लक्षण दिखने पर क्या करें जैसी बुनियादी जानकारियाँ आम भाषा में शामिल की जाए।